14. सूचना, संचार तथा प्रचार सेवाएं

कृषि ज्ञान प्रबंध निदेशालय (डीकेएमए) द्वारा भा.कृ.अनु.प. के नोडल केन्द्र के रूप में निर्धारित अधिदेश के अनुसार कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञानों पर आधारित ज्ञान एवं सूचनाओं के एकत्रण, भंडारण, प्रबंधन तथा प्रसारण का कार्य सुचारु रूप से जारी रखा गया। इस क्रम में प्रिंट एवं इलैक्ट्रॉनिक प्रकाशन; भा.कृ.अनु.प. की वेबसाइट का रख-रखाव एवं इसके लिए कंटेंट का विकास; प्रचार एवं जनसंपर्क सेवाएं; पुस्तकालय सेवा; प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं का आयोजन तथा भा.कृ.अनु.प. की प्रौद्योगिकियों को दर्शाने और विभिन्न पणधारकों तक पहुंचाने के लिए प्रदर्शनियों में भागीदारी एवं इनके आयोजन का कार्य भी दक्षतापूर्वक किया गया। इन सबके अतिरिक्त डीकेएमए द्वारा भा.कृ.अनु.प. के ज्ञान संसाधन केन्द्र की भूमिका का निर्वहन करते हुए भा.कृ.अनु.प. संस्थानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों, वैज्ञानिक एवं शैक्षिक संस्थानों एवं सम्बंधित विषयों में कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बीच संपर्क का भी दायित्व निभाया गया। भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों में डीकेएमए द्वारा नेटवर्क एवं कनेक्टिविटी से सम्बंधित ढांचे का भी समन्वयन कृषि ज्ञान प्रबंधन इकाइयों (एकेएमयू) एवं राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के माध्यम से अत्यंत दक्षतापूर्वक किया गया। इतना ही नहीं डीकेएमए द्वारा भा.कृ.अनु.प. (मुख्यालय कैब-1 एवं कैब-2) में भी 400 से अधिक इंटरनेट नोड्स के मेंटेनेंस का काम अबाधित रूप से जारी रखा गया।

एक नई पहल के तौर पर हिन्दी में अनुसंधान पत्रिका, कृषिका शोध पत्रिका की शुरुआत की गई है ताकि कृषि अनुसंधान से जुड़ी ताजा जानकारियों को अविलम्ब कृषि समुदाय तक पहुंचाया जा सके। इस पत्रिका को भारत रत्न एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा भा.कृ.अनु.प. के 84वें स्थापना दिवस (16 जुलाई 2012) को जारी किया गया।

भारत रत्न एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा भा.कृ.अनु.प. की कृषिका शोध पत्रिका का विमोचन

इसके अतिरिक्त 'इंडिया-आसियान न्यूज ऑन एग्रीकल्चर एण्ड फॉरेस्ट्री' नामक एक अर्द्धवार्षिक पत्रिका का विमोचन केन्द्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री शरद पवार द्वारा द्वितीय आसियान-इंडिया कृषि एवं वानिकी पर आधारित मंत्री स्तरीय बैठक (17-19 अक्टूबर) को किया गया। डीकेएमए द्वारा इस अंतर्राष्ट्रीय समारोह का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत आसियान-इंडिया एग्री-एक्स्पो भी शामिल था।

केन्द्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री शरद पवार द्वारा द्वितीय आसियान-इंडिया कृषि एवं वानिकी पर आधारित मंत्री स्तरीय बैठक में 'इंडिया-आसियान न्यूज ऑन एग्रीकल्चर एण्ड फॉरेस्ट्री' नामक अर्द्धवार्षिक पत्रिका का विमोचन

भा.कृ.अनु.प. की द्विभाषी वेबसाइट (www.icar.org.in) है और यह ज्ञान एवं सूचनाओं के भंडार के रूप में विभिन्न पणधारकों के लिए उपयोगी भूमिका निभा रही है जिसमें अनुसंधानकर्ता, छात्र, नीतिनिर्माता कृषक एवं समाज के अन्य वर्ग भी शामिल हैं। इस वर्ष की सूखे की परिस्थितियों में भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों तथा अन्य विषयवस्तु विशेषज्ञों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर प्रति दिन के लिए विशिष्ट मौसम सम्बंधित कृषि परामर्शदात्री सेवा तथा आकस्मिक योजनाओं को विकसित कर वेबसाइट के माध्यम से बहु प्रसारित किया गया। सूखे के प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए उपयोगी टिप्स इन परामर्श एवं सलाहों के जरिये कृषकों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। मॉनसून की देरी की परिस्थितियों में भी कृषकों के लिए उपयोगी परामर्श इसी प्रकार जारी किए गए। भा.कृ.अनु.प. की वेबसाइट पर प्रति माह लगभग 2 लाख विजिटर आए जिनमें 50 प्रतिशत नए विदेशी विजिटर्स थे। वर्ष 2012-13 में लगभग 1,300 नए वेब पृष्ठों को जोड़ा गया और लगभग 1,500 वेब पेजों को नई जानकारियों को समाहित करते हुए अद्यतन किया गया। कई मूल्य वर्धित फीचरों के साथ वेबसाइट जारी रखा गया है। इन फीचरों में न्यूज, सक्सेस स्टोरी, करिअर संभावनाएं, फोटो गैलरी एवं प्रशासनिक व वित्तीय नोटिफिकेशन भी शामिल हैं। 'यू ट्यूब चैनल ऑफआईसीएआर', की भी इस दौरान शुरुआत की गई और प्रारंभ में इसमें 100 वीडियों को रखा गया है। पहले-पहल ही 41,000 हिट (विजिटर्स) इस चैनल पर देखने को मिले।

आईसीएआर वेबसाइट पर परिषद के ई-पब्लिशिंग के मंच को भी देखा जा सकता है। इसमें *द इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, द इंडियन जर्नल ऑफ एनीमल साइंसेज, इंडियन फार्मिंग, इंडियन हॉर्टिकल्चर* के अलावा *आईसीएआर रिपोर्टर, आईसीएआर न्यूज, आईसीएआर मेल, आईसीएआर चिट्ठी* (हिन्दी) और *एग्बायोटैक डाइजेस्ट* शामिल है। ओपन एक्सेस मोड में इनकी ऑनलाइन उपलब्धता की वजह से विजिबिलिटी, इम्प्रूव्ड इम्पैक्ट फैक्टर तथा रीडरशिप में विश्वव्यापी स्तर पर सुधार देखने को मिला है। इन पत्रिकाओं को वैश्विक स्तर पर 182 देशों में पढ़ा जा सकता है और देश में 85 शहरों तक इनकी पहुंच रजिस्टर्ड उपयोगकर्ताओं के माध्यम से संभव हो सकी है। इनके

इस मंच के माध्यम से 11 ऐसी शोध पत्रिकाओं को भी होस्ट किया जा रहा है जो प्रोफेशनल सोसायटियों से सम्बंधित हैं तथा जिन्हें डीकेएमए द्वारा शोध लेखों की ऑनलाइन प्रोसेसिंग एवं प्रकाशन सम्बंधित प्रशिक्षण दिया गया है। इस ऑनलाइन जर्नल पोर्टल पर लगभग 54,000 पंजीकृत यूजर्स हैं। यह कार्यकलाप एनएआईपी उप प्रायोजना 'ई पब्लिशिंग एण्ड नॉलेज सिस्टम इन एग्रीकल्चरल रिसर्च' के तहत किया गया। वर्ष के दौरान नए ई बुक्स और रिपोर्टस भी शामिल किए गए जिनसे यह संख्या बढ़कर 45 हो गई और 7,000 विजिटर्स को आकर्षित किया। इस अवधि में वेबसाइट पर लगभग 300 समाचार संकलन एवं सफलता गाथाओं को प्रकाशित किया गया जिनमें परीक्षा नतीजे, करिअर अवसर और अन्य सम्बंधित नोटफिकेशन भी शामिल थे।

डीकेएमए द्वारा 12 नियमित प्रकाशनों को जारी रखा गया जिनमें रिसर्च जर्नल, लोकप्रिय पत्रिकाएं तथा इन हाउस न्यूजलैटर्स (8 अंग्रेजी और 4 हिन्दी) भी शामिल हैं। अनुसंधानकर्ताओं, छात्रों, कृषकों एवं कृषि समुदाय की आवश्यकताओं के अनुरूप इन सूचना प्रद पत्रिकाओं को ढालने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। शोध पत्रिकाओं में रिव्यू रिसर्च पेपर्स को नियमित आधार पर समाहित किया जा रहा है और सामयिक विषयों पर इन पत्रिकाओं के विशेषांक भी प्रकाशित किए जा रहे हैं। तकनीकी पुस्तकों, मोनोग्राफ्स, टैक्स्टबुक्स, हैण्डबुक्स और टैक्नीकल बुलेटिन अंग्रेजी एवं हिन्दी में 50 से अधिक प्रकाशित किए गए। इंडियन एग्रीकल्चरल साइंसेज और एनीमल साइंस एबस्टैक्ट्र जर्नल के दो अर्द्धवार्षिक अंकों का प्रकाशन कर आईसीएआर की वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। डीकेएमए द्वारा भा.कृ.अनु.प. के विभिन्न संगठनों को प्रिंटिंग एवं प्रकाशन से सम्बंधित कंसल्टेंसी भी प्रदान की गई। वार्षिक आम सभा, आईसीएआर स्थापना दिवस एवं पुरस्कार समारोह तथा भारत के महामहिम राष्ट्रपति, एवं प्रधानमंत्री की यात्रा सरीखे परिषद के महत्वपूर्ण अवसरों से सम्बंधित प्रकाशनों के लिए सामग्री प्रदान करने से लेकर समन्वयन तक के कार्यकलाप डीकेएमए द्वारा किए जाते हैं। वर्ष के दौरान डीकेएमए द्वारा देश भर में आयोजित 10 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों में हिस्सा लिया गया। इसके अतिरिक्त निदेशालय द्वारा भा.कृ.अनु.प. के विभिन्न संस्थानों की क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित एग्री एक्स्पो में भागीदारी सुनिश्चित करने से सम्बंधित समन्वयन में भी अहम भूमिका निभाई गई। लगभग 65 लाख रुपये का राजस्व प्रकाशनों एवं ई-प्रोडक्ट्स की बिक्री से अप्रैल-दिसम्बर, 2012 की अवधि में अर्जित किया गया।

इंडियन साइंस कांग्रेस 2013, कोलकाता में भा.कृ.अनु.प. की प्रस्तुति

भा.कृ.अनु.प. प्रणाली में कनेक्टिविटी सम्बंधी मुद्दों एवं संचार व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से भा.कृ.अनु.प. के 17 संस्थानों और भा.कृ.अनु.प. (मुख्यालय) में वैयक्तिक तौर पर 1040 ई-मेल आईडी सृजित की गई हैं और समूचे भा.कृ.अनु.प. प्रणाली को इसके अंतर्गत लाए जाने का काम शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी वेबसाइट पर सामग्री (कंटेंट) दिशानिर्देशों के अनुसार डालें ताकि ऑनलाइन परिदृश्य में परिषद के समस्त संस्थानों में समानता दिखाई पड़े और परिषद की ब्रांड इमेज को अधिक बल मिले। एफएओ के एग्रिस डेटाबेस के अधिकृत राष्ट्रीय इनपुट सेंटर के रूप में डीकेएमए द्वारा वेबएग्रिस सॉफ्टवेयर के लिए 1,120 इनपुट की इंडेक्सिंग कर उन्हें ऑनलाइन यूजर्स के लिए उपलब्ध कराया गया। निदेशालय द्वारा भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों के वैज्ञानिकों को एग्रिस डेटाबेस के सॉफ्टवेयर के अनुसार इनपुट तैयार करने पर आधारित ट्रेनिंग भी दी गई। इसी प्रकार भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों के वैज्ञानिकों और भा.कृ.अनु.प. में पंजीकृत सोसायटियों को शोध लेखों की ऑनलाइन प्रोसेसिंग से सम्बंधित ट्रेनिंग प्रदान की गई। पुस्तकालय सेवा के प्रबंधन के लिए कोहा सॉफ्टवेयर के क्रियान्वयन का कार्य इस अवधि में पूरा कर लिया गया है और लगभग 15,000 प्रकाशनों की बार कोडिंग की जा चुकी है। एनएआईपी कई-ग्रंथ प्रायोजना के तहत लगभग 300 शीर्षकों (प्रकाशनों) का डिजिटल रूपांतरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। ई-संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से वैज्ञानिकों एवं प्रसार कर्मियों के लिए भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय में स्थापित केवीके हब के जरिये इंटरेक्टिव सत्रों का आयोजन किया गया।

एनएआईपी प्रोजेक्ट ऑन मोबिलाइजिंग मास मीडिया सपोर्ट फॉर शेयरिंग एग्रो इंफार्मेशन के बहु केन्द्रीय (10 केन्द्र) के कंसोंसियम लीडर के रूप में डीकेएमए द्वारा राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मीडिया (हिन्दी, अंग्रेज़ी, पंजाबी, मलयालम, तमिल और गुजराती) में 600 न्यूज क्लिपिंग्स का प्रकाशन हुआ जिनमें कृषि प्रौद्योगिकियों और भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय एवं संस्थानों के प्रमुख आयोजनों पर आधारित समाचार निहित थे। प्रायोजना के माध्यम से 40 टेलविजन रेडियो कार्यक्रमों का राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर प्रसारण संभव हो सका तथा 25 वीडियो/ऑडियो कैप्सूल्स का बड़े पैमाने पर प्रसार किया गया। इस दौरान परिषद द्वारा आयोजित निम्न अवसरों के लिए प्रचार एवं जनसंपर्क सेवाएं प्रदान की गई: कृषि में नेतृत्व के लिए डॉ. एम.एस. स्वामिनाथन पुरस्कार (25 जनवरी, 2012), नई दिल्ली; द्वितीय ग्लोबल एग्री-बिजनेस इन्क्यूबेशन कांफ्रेंस (06 फरवरी, 2012), नई दिल्ली; द्वितीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस एवं APCHNE-2012 (फरवरी 13-15, 2012), नई दिल्ली; भा.कृ.अनु.प. के निदेशकों और कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का सम्मेलन (17 फरवरी, 2012), नई दिल्ली; 'ICPEBF-2012' कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए जैव प्रौद्योगिकी टूल्स का प्रयोग (21 फरवरी, 2012), नई दिल्ली; 20 वां विश्व पुस्तक मेला (27 फरवरी, 2012), नई दिल्ली; पूसा कृषि विज्ञान मेला (1 मार्च, 2012), नई दिल्ली; भा.कृ.अनु.प. सोसायटी की 84वीं वार्षिक आम बैठक (6 मार्च, 2012), नई दिल्ली; अफ्रीकी छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम (19 मार्च, 2012), नई दिल्ली; चौथा प्लांट जीनोम सेवियर कम्यूनिटी अवार्ड (22 मई, 2012), नई दिल्ली; भा.कृ.अनु.प. का 84 वीं स्थापना दिवस एवं भा.कृ.अनु.प. पुरस्कार समारोह (16 जुलाई, 2012), नई दिल्ली; भा.कृ.अनु.प. बीज प्रायोजना की वार्षिक समीक्षा बैठक (25 जुलाई, 2012), नई दिल्ली; भा.कृ.अनु.प. ज्ञान बैठक (12 अगस्त, 2012), नई दिल्ली; कृषि में बाह्य रोगों पर विशेषज्ञों की परामर्श बैठक (10 अक्टूबर, 2012), नई दिल्ली; द्वितीय आसियान-भारत कृषि एवं वानिकी पर मंत्री स्तरीय बैठक तथा आसियान-भारत एक्स्पो (17-19 अक्टूबर, 2012), नई दिल्ली; भारत-आसियान कृषि उत्पादों की निर्यात संभावनाओं पर संगोष्ठी (18 अक्टूबर, 2012), नई दिल्ली;

पशुधन पर ILRI-ICAR भागीदारी पर बैठक (7 नवम्बर, 2012), नई दिल्ली; सचिव, डेयर एवं महानिदेशक भा.कृ.अनु.प. का भारतीय कृषि पर INSA सार्वजनिक व्याख्यान (19 नवम्बर, 2012), नई दिल्ली; 7 वीं राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केन्द्र संगोष्ठी (20-22 नवम्बर, 2012), लुधियाना; तीसरी अंतर्राष्ट्रीय सस्य विज्ञान कांग्रेस (26 नवम्बर, 2012), नई दिल्ली; भा.कृ.अनु.प.-इकार्डा साझा कार्यक्रम पर समीक्षा बैठक (29 नवम्बर, 2012), नई दिल्ली; कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का 38 वां स्थापना दिवस (1 नवम्बर, 2012), नई दिल्ली; भा.कृ.अनु.प. संस्थानों के प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रभागों की बैठक (22 नवम्बर, 2012), नई दिल्ली; कैक्टस क्रॉप पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (25 नवम्बर, 2011), नई दिल्ली; भारत में पशुचिकित्सा व्यवसाय के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेषज्ञ परामर्श (25 नवम्बर, 2011), नई दिल्ली; कृषि के अग्रणीय क्षेत्रों में विदेशों से प्रशिक्षण प्राप्त वैज्ञानिकों के साथ ICAR-NAIP बैठक (28 नवम्बर, 2011), नई दिल्ली; भारत और अमरीका के बीच सफल भागीदारी के 60 वर्ष (20 दिसम्बर, 2012), नई दिल्ली; कृषि अनुसंधान में स्टैटिस्टिक्स एवं इंफार्मेटिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (18 दिसम्बर, 2012), नई दिल्ली; आसियान-भारत फारमर्स एक्सचेंज प्रोग्राम (19-30 दिसम्बर, 2012)

डीकेएमए ने बारहवीं योजना की अवधि के आईसीटी के अधिक दक्ष इस्तेमाल एवं सम्बंधित अग्रणीय प्रौद्योगिकियों के प्रयोग से विभिन्न पणधारकों के मध्य ज्ञान को साझा करने हेतु रणनीति भी विकसित की है। सूचना पैकेजों एवं उत्पादों के अधिक प्रसार तथा प्रभावी बनाने के उद्देश्य से प्रिंट, इलैक्ट्रॉनिक तथा वेब आधारित कम्यूनीकेशन का समन्वयन किया गया है। नारेस के अंतर्गत इस प्रकार के संपर्क विकसित किए गए हैं ताकि ज्ञान एवं सूचना के आदान-प्रदान हेतु साझा मंच उपलब्ध हो सके और सामूहिक प्रयासों से कृषि प्रौद्योगिकियों को उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाया जा सके।

❑